8. किन्हीं **दस** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें:

(i) विद्यालय के चारों ओर फूल हैं।

(ii) प्रयाग के दोनों ओर नदियां हैं।

(iii) विद्यार्थी ज्ञान चाहता है।

(iv) गङ्गा हिमालय से निकलती है।

(v) मैं पठकर नहाने जाता हूँ।

(vi) हम गीत गाते हैं।

(vii) मैं और तू चण्डीगढ़ गए।

(viii) मैं, तू और वह देश की रक्षा करेंगे।

(ix) तुम्हारी कक्षा में इकावन विद्यार्थी हैं।

(x) उसकी लड़की असफल हुई।

(xi) गौरव कल शिमला गया।

(xii) प्रभात प्रतिदिन महाविद्यालय जाता है।

(xiii) नाच न जाने आंगन टेढ़ा।

(xiv) हिमालय प्रसिद्ध पर्वत है।

(xv) आलस्य का फल कड़वा होता है।

Exam. Code : 103202

Subject Code : 1042

B.A/B.Sc. 2nd Semester

SANSKRIT (Elective)

(Kavya, Vyakaran Avam Anuwad)

Time Allowed—2 Hours] [Maximum Marks—100

नोट :— **आठ** प्रश्नों के समान अंक हैं। विद्यार्थियों को किन्हीं **चार** प्रश्नों का प्रयास करना आवश्यक है।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** श्लोकों की सप्रसंग सहित व्याख्या करें :–

(क) लभेत् सिक्तासु तैलमपि यत्नत: पीडयन्, पिबेच्च मृगतृपणकासु सलिलं पिणासार्दित:।

कदाचिदपि पर्यटञ्छशविषाणमासादयेत, न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराध्येत्।।

(ख) यदा किञ्चिज्ज्ञोऽहं द्विपइवमदम्ध: समभवं, तदासर्वज्ञोऽस्मीति अभवदवलिप्तं मम मन:।

यदा किञ्चित्किञ्चद् बुधजनसकाशादवगतं तदामूर्खोऽस्मीतिज्वर इव मदो में व्यपगत:।।

(ग) शिर: शार्वं स्वर्गात् पशुपतिशिरस्त: क्षितिधरं, मद्रीध्रादुत्तङ्गादवनिमवनेश्चापि जलधिम्।

अधोऽधे गङ्गेयं पदमुपगता स्तोकमथवा, विवेकभ्रष्टानां भवति विनिपात: शतमुख:।।

(घ) वरंपर्वतदुर्गेषु भ्रान्तं वनचैरःसह।

न मूर्खजन सर्म्पकः सुरेन्द्रभवनेष्वापि।।

(ङ) अधिगतपरमार्थान् पण्डितान् माऽवमंस्थास्तृणमिव लघु लक्ष्मीनैव तानसंसणद्धि।

अभिनवमदलेखाश्यामगण्डस्थलानां न भवति विसतन्तुर्वारणं वारणानाम्।।

(च) केयूराणि न भूषयन्ति पुरुषं, द्वारा न चन्द्रोज्जवला,

न स्नानं न विलेपनं न कुसुमं, नालङ्कृतामूधर्जाः।

वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या संस्कृता घार्यते,

क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम्।।

(छ) दाक्षिण्यं स्वजने दया परिजने शाठयं सदादुर्जने,

प्रीतिः साधुजने नयो नृपजने विद्वज्जने चार्जवम्।

शौर्य सत्रुजने क्षमा गुरुजने कान्ताजने घृष्टता,

चे चैवं पुरुषाः कलासु कुशलास्तेष्वेव लोकस्थितिः।।

2. (क) नीतिशतकम् का महत्त्व प्रतिपादित करें।

अथवा

नीतिशतकम् में मूर्खों के बारे में वर्णित विषय का विवेचन करें।

(ख) नीतिशतकम् की सार्वभौमिकता तथा सार्वकालिता सिद्ध करें।

अथवा

नीतिशतकम् में वर्जित 'धन' के विषय में वर्णन करें।

3. अधोलिखित में से किन्हीं **चार** पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें :

(क) प्रारभ्यते न खलु विघ्नभयेन नीचैः प्ररभ्य विघ्नविहता विरमन्ति मध्याः।

विघ्नैः पुनः पुनरपि प्रतिहन्यमानाः प्रारब्धमुत्तमजनाः न परित्यजन्ति।।

(ख) कुसुमस्तबकस्येव द्वयी वृत्तिर्मनास्विनः।

मूधिन वा सर्वलोकस्य शीर्यते वन एव वा।।

(ग) यदचेतनोऽपि पादैः स्पृष्टः प्रज्जवलति सवितुरिनकान्तः।

तत्तेजस्वी पुरुषः परकृतनिकृतिं कथं सहते।।

(घ) तानिन्द्रियाण्यविकलानि तदेव नाम, साबुद्धिरप्रतिहता वचनं तदेव।

अर्थोष्मणा विरहितः पुरुषक्षणेन, सोऽप्यन्य एव भवतीति विचित्रमेतत्।।

(ङ) यस्यास्ति वित्तं स नरः कुलीनः, स पण्डितः स श्रुतवान् गुणज्ञः।

स एव वक्ता स च दर्शनीयः, सर्वे गुणाः काञ्चनमाश्रयन्ति।।

(च) दानं भोगो नाशस्तिस्रो गतयो भवन्ति वित्तस्य।

यो न ददाति न भुङ्क्ते तस्य तृतीया गर्तिभवति।।

(छ) सत्याऽनृता च परुषा प्रियावादिनी च, हिंस्रा दयालुरपि चार्थपरा वदान्या।

नित्यव्यया प्रचुरनित्यधनागमा च, वाराङ्गनेव नृपनीतिरनेक रुपा।।

(ज) चद्धात्रानिज भालपट्टलियितं स्तोकं महद् वाघनं

तत्प्राप्नोति मरुस्थलेऽपि नितरां मेरौ ततो नाधिकम्।।

तद्धीरो भव वित्तावत्सु कृपणां वृत्तिं वृथा मा कृथाः

कूपे पश्य पयोनिधावपि घटो गृह्लाति तुल्यं जलम्।।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** सूक्तियों की सप्रसंग व्याख्या करें:–

(क) ज्ञानलवदुर्विदग्धं ब्रह्माऽपि तं नरं न रञ्जयति।

(ख) न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत्।

(ग) न हि गणयति शुद्रो जन्तुः परिग्रहफल्गुताम्।

(घ) विद्या राजसु पूज्यते न तु धनं विद्याविहीन पशुः।

(ङ) किं जीर्णं तृणमत्ति मानमहतामग्रेसरः केसरी।

(च) स जातो येन जातेन याति वंशः समुन्नतिम्।

(छ) प्रकृतिरियं सत्त्ववतां नखलु वयस्तेजसो हेतुः।

(ज) धनिनाभवस्था वस्तूनि प्रथयति च संकोचयति च।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** शब्दों के रूप लिखें :

(क) फल (ग) पितृ (ङ) लता (छ) एक (पुलिङ्ग)

(ख) साधु (घ) रमा (च) नदी (ज) त्रि (पुलिङ्ग)

6. (क) अधोलिखित **पाँच** रेखाङ्कित शब्दों में कौन सी विभक्ति है :–

(i) विद्यालयम् परितः नदी अस्ति।

(ii) गङ्गायमुनासंगमम् समया प्रयागो वर्तते।

(iii) ज्ञानम् अत्तरेण कथं मोक्ष।

(iv) धिक् देशद्रोहिणः।

(v) अलं विवादेन।

(vi) शिवाय नमः।

(vii) राम लक्ष्मणेन सह वनं गतः।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों के वाक्य बनाऐं, जोकि प्रशन (VI) (क) से भिन्न हो :

सर्वतः, साकम्, समया, अन्तरेण, अलम्।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** धातुओं के साथ यथानिर्दिष्ट प्रत्यय लगाऐं :

(i) √दा+क्त्वा (vi) √स्मृ+अनोयट् (xi) √लिख+तुमुन्

(ii) √शक्+अनीयर् (vii) √पच्+तव्यत् (xii) √वद+क्त

(iii) √श्रु+तुमुन् (viii) √भू+त्वा (xiii) √गम्+तव्यत्

(iv) √दृश+अनयीर् (ix) √पठ्+तुमुन (xiv) √पत्+क्तवतु

(v) √कृ+क्तक्तु (x) √हिस्+क्त